

224

11/2/12

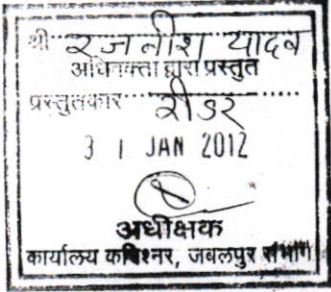
समक्ष राजस्व मंडल म.प्र. बैंच, जबलपुर म.प्र.

रा.अ.प्र.क.

A-296-I/2012

याचिकाकर्ता

1. बिरजू उर्फ गूंगा आठ स्व० भागचंद लुहार
2. केशरी आ. भागचंद लुहान दोनों निवासी खुर्शीपार तह. केवलारी जिला-सिवनी
3. डिमाकचंद आ. मिट्ठन लुहार
4. वीरसिंह आ. पूनाराम लुहार दोनों निवासी चिखली तह. केवलारी जिला सिवनी



विरुद्ध

अनावेदक

1. श्रीमति टीका बाई पति भागचंद परधान निवासी पादरीगंज जिला बालाघाट
2. श्रीमति डीमाबाई पति आशाराम परधान निवासी पीपरदौन तह. केवलारी
3. संतोष पिता टेकसिंह परधान निवासी खुर्शीपार तह. केवलारी जिला-सिवनी

137

कार्य-कार्य-व्यवस्था  
से शा. वि. 1-2-12  
को जबलपुर के मा.प्र.  
हा.प्र.

राजस्व अपील अंतर्गत धारा म.प्र. भू-राजस्व संहिता

याचिकाकर्ता यह याचिका अतिरिक्त कमिश्नर जबलपुर संभाग द्वारा रा.अपी.क. 154/अ-70/11-12 बिरजू एवं अन्य विरुद्ध टीकाबाई एवं अन्य में अपीलार्थी द्वारा तहसीलदार केवलारी के समक्ष प्रस्तुत धारा 115, 116 म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 की समीक्षा दिनांक 02.11.2011 को निरस्त किये जाने पर प्रस्तुत अनावेदन सुनवाई के उपरांत दिनांक 26.08.2011 को निरस्त किये जाने के विरुद्ध यह याचिका प्रस्तुत की जा रही है।

प्रकरण के तथ्य

याचिकाकर्ता द्वारा तहसीलदार केवलारी के समक्ष धारा 115, 116 का आवेदन प्रस्तुत करते हुये निवेदन किया कि ग्राम खुर्शीपार स्थित भूमि ख.नं. 18 व 28 पर वर्ष 1947 से काबिज है, याचिकाकर्ता के पिता श्री भागचंद के नाबालिग रहते हुये उनकी मां ने दिनांक 08.10.1947 को पंजियत विक्रय पत्र के माध्यम से उक्त भूमि कय किया था, जिस पर लगातार पूर्व में स्व. भागचंद एवं उनके भाई काबिज थे, उसके उपरांत याचिकाकर्ता काबिज चले आ रहे हैं परंतु राजस्व अभिलेखों में अधिनरथ कर्मचारियों की त्रुटि के कारण बिना किसी आधार के अनावेदकगण के पिता एवं उनके भाई का नाम दर्ज हो जाने से याचिकाकर्ता के कब्जे में अनावश्यक व्यवधान किया जा रहा है जबकि अनावेदकगण के पिता द्वारा किसी स्वत्व अर्जन के

dec  
6-2-12

वि.प्र.

केशरी

काबिज

अधीक्षक



24-11-16.

अभि	अभि	अभि	अभि	अभि
अभि	अभि	अभि	अभि	अभि
अभि	अभि	अभि	अभि	अभि
अभि	अभि	अभि	अभि	अभि
अभि	अभि	अभि	अभि	अभि
अभि	अभि	अभि	अभि	अभि
अभि	अभि	अभि	अभि	अभि
अभि	अभि	अभि	अभि	अभि
अभि	अभि	अभि	अभि	अभि
अभि	अभि	अभि	अभि	अभि

R